बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना

घटता शिशु लिंगानुपात वर्तमान में सम्पूर्ण देश के लिये गहन चिंता का विषय हैं , यदि शिशु लिंगानुपात में यह गिरावट इसी प्रकार बनी रही तो भविष्य में जेंडर असंतुलन की विषम स्थिति से समाज का घोर नैतिक पतन होगा तथा भयावह स्थिति उत्पन्न होगी।

समस्या की गंभीरता को देखते हुये भारत सरकार ने 22 जनवरी 2015 को बालिकाओं की देखदेख, सुरक्षा, शिक्षा तथा लिंगानुपात में सुधार हेतु बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना आरम्भ की है. प्रदेश के न्यूनतम शिशु लिंगानुपात वाले **42** जिलों में बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना भारत सरकार द्वारा संचालित थी एवं वर्ष **2022-23** से प्रदेश के शेष 10 जिलों को भी योजना में सम्मिलित कर लिया गया है. योजना तीन विभागों क्रमशः महिला एवं बाल विकास , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग के समन्वय से संचालित हो रही हैं।

योजना का लक्ष्य बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाना एवं उनको शिक्षित करना है।

<u>योजना के उद्देश्य :</u>

- सामाजिक लिंग (जेंडर) आधारित लिंग चयन को समाप्त करना.
- बालिका की उत्तरजीविता तथा संरक्षण सुनिश्चित करना .
- बालिका की शिक्षा एवं सहभागिता सुनिश्चित करना .
- जेंडर आधारित भेदभाव की मिटाना .

संपर्क:- जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग